1. मांग की कीमत लोच से क्या समझते हैं? इसे कैसे मापा जाता है?

उत्तर: **मांग की लोच का अर्थ**

किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप उसकी मांग में जो परिवर्तन होता है, उसकी मांग की मूल्य लोच या कीमत की लोच कहते हैं।

मांग की लोच को मापने की रीतियां

1.प्रतिशत या आनुपातिक रीति

2.कुल व्यय रीति

प्रतिशत या आनुपातिक रीति

प्रतिपादन: **फ्लक्स**

मांग की लोच का अनुमान लगाने के लिए मांग में होने वाले आनुपातिक या प्रतिशत परिवर्तन को कीमत में होने वाले आनुपातिक परिवर्तन से भाग दिया जाता है।

$$\text{मांग की कीमत लोच} = \frac{\text{वस्तु की मांग में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{वस्तु की कीमत में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन}}$$

$$E_d = \frac{\Delta Q}{\Delta P} \times \frac{P}{Q}$$

कुल व्यय रीति (Total Expenditure Method)

प्रतिपादन - **प्रो. मार्शल**

इस रीति में यह ज्ञात किया जाता है की वास्तु की कीमत में परिवर्तन होने से कुल व्यय में कितना और किस दिशा में परिवर्तन हुआ है ।

कुल व्यय = वस्तु की कीमत × वस्तु की मांग

इस रीति द्वारा मांग की लोच की केवल तीन श्रेणियों का आकलन किया जा सकता है:-

इकाई के बराबर मांग लोच (Ed=1)

इकाई से अधिक मांग लोच (Ed>1)

इकाई से कम मांग लोच (Ed<1)

2. कुल आय, औसत आय और सीमांत आय की अवधारणा के उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तर: **कुल आगम (Total Revenue)**

किसी फर्म का कुल आगम वस्तु की एक इकाई कीमत तथा कुल विक्रय की गई इकाइयों के गुणनफल द्वारा प्राप्त किया जाता है।

डुले के अनुसार, **"कुल आगम एक फर्म द्वारा प्राप्त बिक्री राशि, प्राप्तियों या आगम का जोड़ है"।**

कुल आगम = बिक्री की इकाई × प्रति इकाई मूल्य

$$TR = Qx \times Px$$

सीमांत आगम (Marginal Revenue)

उत्पादन य फर्म वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई की बिक्री से जो अतिरिक्त आगम प्राप्त होता है, उसे सीमांत आगम कहते हैं।

फर्गुसन के अनुसार, **“एक फर्म द्वारा अपने उत्पादन की एक इकाई कम या अधिक बेचने से कुल आगम में जो परिवर्तन आता है, उसे सीमांत आगम कहा जाता है”।**

$$\text{MR}= TR_n - TR_{n-1}$$

औसत आगम (AVERAGE REVENUE)

इस प्रकार कुल आगम को बिक्री की गई इकाइयों से भाग देने पर औसत आगम प्राप्त होता है।

$$\text{AR} = \frac{TR}{Q}$$

औसत आगम सदैव वस्तु की प्रति इकाई कीमत को व्यक्त करता है।

बिक्री की इकाइयों (Q)	कुल आगम (TR)	औसत आगम (AR)	सीमांत आगम (MR)
1	60	60	60
2	100	50	40
3	130	43.33	30
4	150	37.5	20
5	150	30	0
6	140	23.33	-10
7	120	17.14	-20

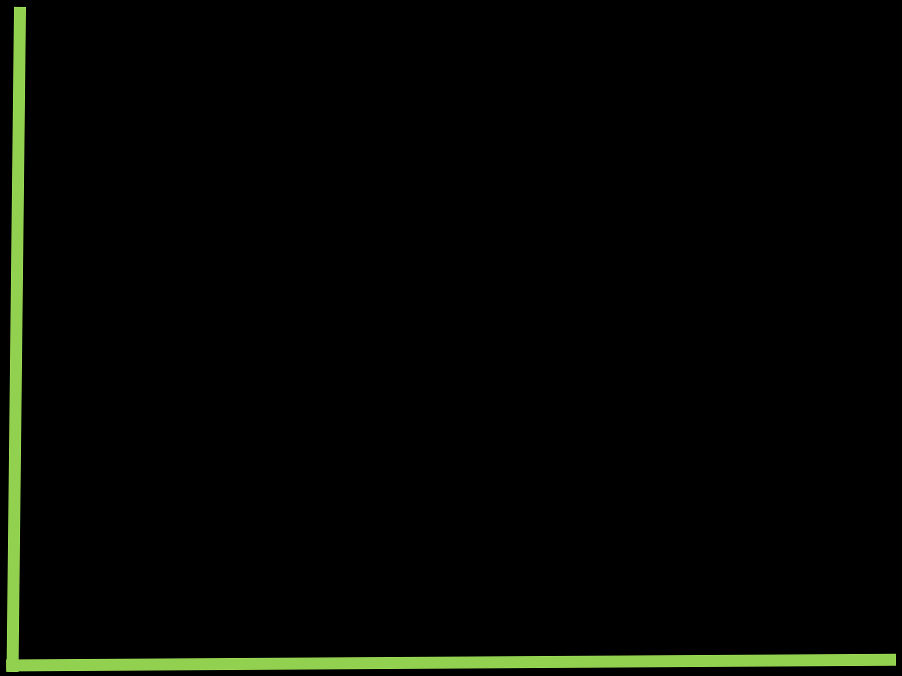

3. अल्पाधिकार का आशय स्पष्ट कीजिए तथा अल्पाधिकार की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: **अल्पाधिकार बाजार (Oligopoly Market)**

अल्पाधिकार अपूर्ण प्रतियोगिता का वह रूप है जिसमें उद्योग या समूह में केवल कुछ फर्में होती है जो एक दिए गए उत्पादन क्षेत्र में या तो समरूप वस्तुएं बनाती है या फिर उनकी वस्तुओं में *'उत्पादन विभेदीकरण'* पाया जाता है।

उदहारण:

अल्पाधिकारी बाजार की मुख्य विशेषताएं

- विक्रेताओं की कम संख्या
- कीमत एवं उत्पादन निर्धारण की नीतियों में विक्रेताओं के बीच पारस्परिक निर्भरता।
- विभिन्न फार्मों के उत्पादों के लिए ऊंची मांग की आड़ी लोच।
- विज्ञापन एवं विक्रय लागत से अधिक होना।
- प्रतिद्वंद्वियों के बीच निरंतर संघर्ष पाया जाना।

4. निम्नलिखित आंकड़ों से यह राष्ट्रीय आय की गणना कीजिए।

मदें	₹ (करोड़)
निजी आय	1200
सरकारी प्रशासनिक विभागों से वर्तमान हस्तांतरण	40
राष्ट्रीय ऋणों पर ब्याज	40
शेष विश्व से वर्तमान हस्तांतरण	12
सरकारी प्रशासकीय विभागों की संपत्ति तथा उद्यम वृद्धि से अर्जित आय	16
सरकारी विभागों की परिचालन अधिशेष	8

उत्तर:

5. केंद्रीय बैंक द्वारा साख नियंत्रण के लिए अपनाई जाने वाली विविध गुणात्मक विधियों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

उत्तर: **चयनात्मक साख नियंत्रण-**

I) **सीमांत आवश्यकताओं या मार्जिन में परिवर्तन** - जब विशेष वस्तु के लिए साख का संकुचन करना होता है तो केंद्रीय बैंक उसकी मार्जिन आवश्यकता को बढ़ा देता है और इसके विपरीत साख के विस्तार के लिए मार्जिन आवश्यकता को घटा देता है।

II) **साख की राशनिंग** :- केंद्रीय बैंक साख की राशनिंग चार प्रकार से करता है -

- विभिन्न बैंकों को दिए जाने वाले ऋण में कमी कर सकता है ।

- विभिन्न बांको को दी जाने वाली साख का कोटा निश्चित कर सकता है ।
- किसी विशेष बैंक को रुपया उधर देने से इंकार कर देता है ।
- केंद्रीय बैंक उद्योगों और व्यवसायियों को दी जाने वाली साख की सीमा निश्चित कर सकता है ।

III) **प्रत्यक्ष कार्यवाही :-** जब केंद्रीय बैंक यह देखता है कि कोई बैंक उसकी नीति के विरुद्ध कार्य कर रहा है तो वह प्रत्यक्ष कार्यवाही जैसे आर्थिक दंड लगाना, लाइसेंस निरस्त करना आदि कर सकता है ।

6. समग्र पूर्ति की परंपरावादी विचारधारा की अवधारणा कीन्स विचारधारा की अवधारणा से किस प्रकार भिन्न हैं? समझाइए।

उत्तर:

शास्त्रीय और कीनेसियन सिद्धांतों के बीच मुख्य अंतर क्या हैं?

शास्त्रीय और कीनेसियन सिद्धांतों के बीच पहला मुख्य अंतर यह है कि शास्त्रीय सिद्धांत कम सरकारी सहायता में विश्वास करता है। दूसरा अंतर यह है कि शास्त्रीय विचार मुद्रास्फीति पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है जबकि कीनेसियन विचार बेरोजगारी पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है। तीसरा अंतर यह है कि शास्त्रीय विचार स्वयं को दीर्घावधि से अधिक चिंतित करता है, जबकि कीनेसियन विचार स्वयं को अल्पावधि से अधिक चिंतित करता है।

शास्त्रीय अर्थशास्त्र का उदाहरण क्या है?

शास्त्रीय अर्थशास्त्र का एक उदाहरण आपूर्ति और मांग की अवधारणा है। यदि कोई कंपनी $35 पर वीडियो गेम नहीं बेच सकती है, लेकिन कीमत घटाकर $25 कर देती है और अधिक बेचना शुरू कर देती है, तो आपूर्ति की मांग बढ़ गई है। मुक्त बाज़ार ने वस्तु की कीमत निर्धारित की है।

कीनेसियन मॉडल क्या कहता है?

कीनेसियन मॉडल का मानना है कि सरकार को अर्थव्यवस्था में हस्तक्षेप करना चाहिए, खासकर मंदी के दौरान। यह सिद्धांत देता है कि सरकार को कीमतों पर भी अपनी बात रखनी चाहिए। मॉडल मानता है कि, कभी-कभी, किसी अर्थव्यवस्था में विस्तार या मंदी होगी जो आर्थिक स्थिति को बदल देगी।

7.राष्ट्रीय आय तथा शुद्ध राष्ट्रीय व्यय योग्य आय में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: राष्ट्रीय आय तथा शुद्ध राष्ट्रीय व्यय योग्य आय में अंतर:

राष्ट्रीय आय	शुद्ध राष्ट्रीय व्यय योग्य आय
देश के नागरिकों द्वारा सभी साधन आयों द्वारा अर्जित आयों का योग राष्ट्रीय आय कहलाता है।	देश की बाजार कीमत पर उस शुद्ध आय को शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय कहते है जो उस देश को व्यय करने के वास्तव में उपलब्ध होती है ।
राष्ट्रीय आय में शुद्ध अप्रत्यक्ष कर शामिल नहीं होता है	शुद्ध राष्ट्रीय व्यय योग्य आय में शुद्ध अप्रत्यक्ष कर शामिल होता है

राष्ट्रीय आय में शेष विश्व से शुद्ध चालू हस्तांतरण शामिल नहीं होता है	शुद्ध राष्ट्रीय व्यय योग्य आय शेष विश्व से शुद्ध चालू हस्तांतरण शामिल होता है
यह आर्जित आयों का योग होती है, जिसे पूरी तरह से व्यय नहीं किया जा सकता है	यह देश के द्वारा वास्तव में व्यय किया जा सकता है
राष्ट्रीय आय = लाभ + व्याज + लगान + वेतन/ मजदूरी	शुद्ध राष्ट्रीय व्यय योग्य आय= राष्ट्रीय आय + शुद्ध अप्रत्यक्ष कर + शेष विश्व से शुद्ध चालू हस्तांतरण

8.अधिक माँग की समस्या को आरेख के द्वारा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: **अतिरेक या अत्यधिक मांग (Excess Demand)**

यदि अर्थव्यवस्था में ***सामूहिक मांग (AD)*** एवं ***सामूहिक पूर्ति (AS)*** में संतुलन अपूर्ण रोजगार स्तर के बाद होता है तो यह अतिरिक्त या अत्यधिक मांग की स्थिति होती है।

अन्य शब्दों में, अतिरिक्त मांग तक उत्पन्न होती है जब सामूहिक मांग पूर्ण रोजगार स्तर पर सामूहिक पूर्ति से अधिक होती है।

इस प्रकार, अतिरिक्त मांग वह दशा है जिसमें सामूहिक मांग अर्थव्यवस्था में पूर्ण रोजगार के लिए आवश्यक सामूहिक पूर्ति से अधिक होती है।

अतिरेक मांग

AD > AS

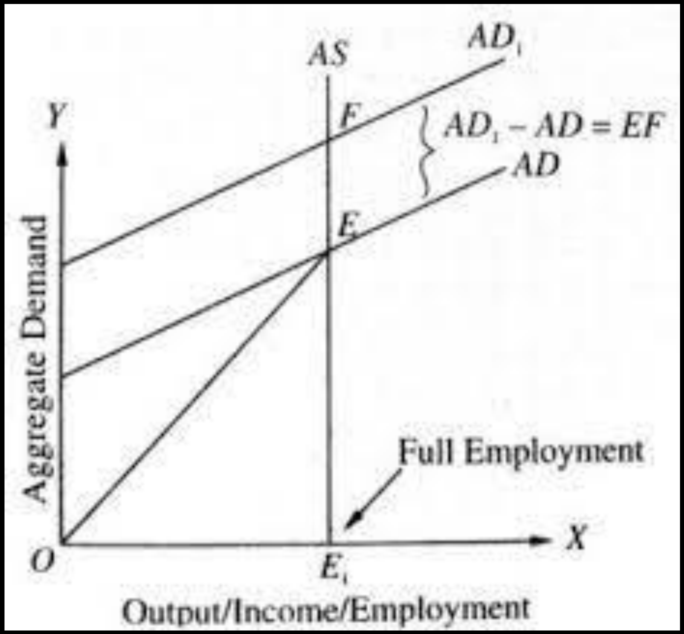

9.एकाधिकार एवं अल्पाधिकार में अंतर कीजिये। एकाधिकार की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: एकाधिकार एवं अल्पाधिकार में अंतर:

एकाधिकार	अल्पाधिकार
एकाधिकार में वास्तु का केवल एक ही विक्रेता होता है	अल्पाधिकार के एक से अधिक (लेकिन कम) विक्रेता उपलब्ध होते है
एकाधिकार में वास्तु का कोई निकटतम स्थानापन्न मौजूद नहीं होता है	अल्पाधिकार में वास्तु का निकटताम स्थानापन्न होता है
नई फर्मों का प्रवेश प्रतिबंधित होता है	नयी फर्मों का प्रवेश कठिन लेकिन प्रतिबंधित नहीं होता है

फर्म का कीमत पर पूर्ण नियंत्रण होता है	फार्म का कीमत पर सीमित नियंत्रण होता है
बिक्री लागत न के बराबर होती है	इस बाजार में बिक्री लागतें बहुत अधिक होती है
प्रतियोगिता नही होती है	गला काट प्रतियोगिता पाई जाती है

10. उपभोक्ता के साम्य को उदासीनता वक्र विश्लेषण द्वारा समझाइए।

उत्तर: एक उपभोक्ता उस समय संतुलन की अवस्था में होता है जब अपनी सीमित आय आय की सहायता से वस्तुओं को उनकी दी गई कीमतों पर खरीदकर अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करता है ।

उपभोक्ता की कीमत रेखा उसकी आय एवं उपभोग वस्तुओं के कीमतों से निर्धारित होती है । इस कीमत रेखा के साथ उपभोक्ता ऊँचे से ऊँचे उदासीनता वक्र तक पहुँचने का प्रयास करता है ।

उदासीनता वक्र विश्लेषण में उपभोक्ता के संतुलन की शर्ते है -

1.उदासीनता वक्र कीमत रेखा को स्पर्श करें -

अर्थात मात्रात्मक रूप में X वस्तु की Y वस्तु के लिए सीमांत प्रतिस्थापन दर X और Y वस्तुओं की कीमतों के अनुपात के बराबर होनी चाहिए ।

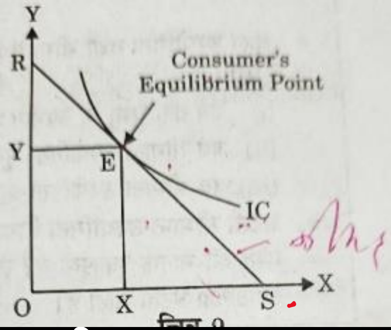

MRSxy = Px / Py

2. स्थायी संतुलन के लिए संतुलन बिंदु पर उदासीनता वक्र मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर होनी चाहिए । अर्थात संतुलन बिंदु पर MRS घटती हुई होनी चाहिये ।

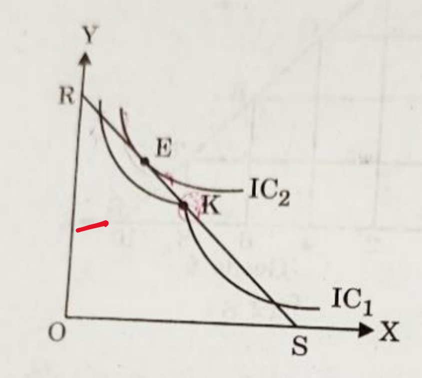

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

LIKE AND ***SHARE*** THE CLASS LINK

SUBSCRBE THE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

WhatsApp/ 7830010683

FOLLOW ME ON INSTAGRAM / @dhalinakul

FOLLOW ME ON FACEBOOK / NAKUL DHALI